दैनिक समसामयिकी (Daily Current Affairs)
9 December 2020

by - Varun Pachauri

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA

Unacademy Learning App

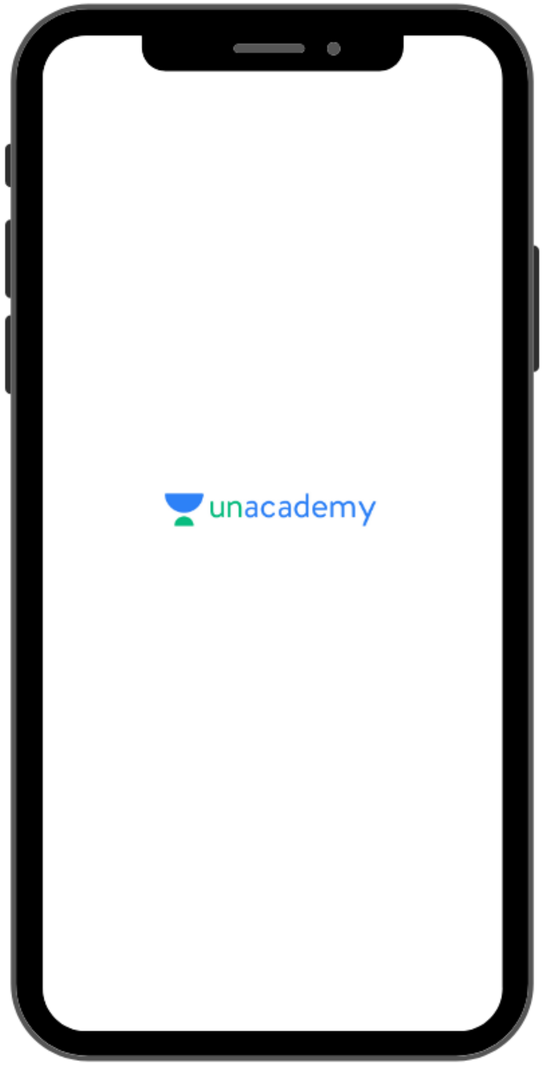

- Structured Batches with Top Educators
- Batches in Hindi, English and Bilingual
- Late night as well as 2 year batches
- 100% syllabus coverage
- Vast range of Optionals
- Prelims Test series with evaluation
- Mains Test Series with evaluation
- Dedicated Doubt Clearing Classes
- Daily Current Affairs Practice
- Essay & Answer Writing Practise
- Performance Analysis
- Sectional Quizzes
- Interview Preparation

Plus UPSC CSE Subscription

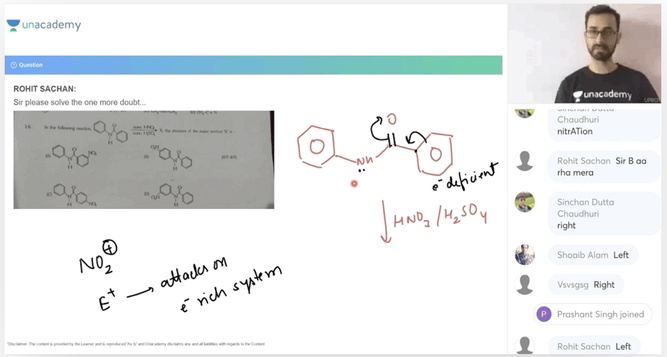

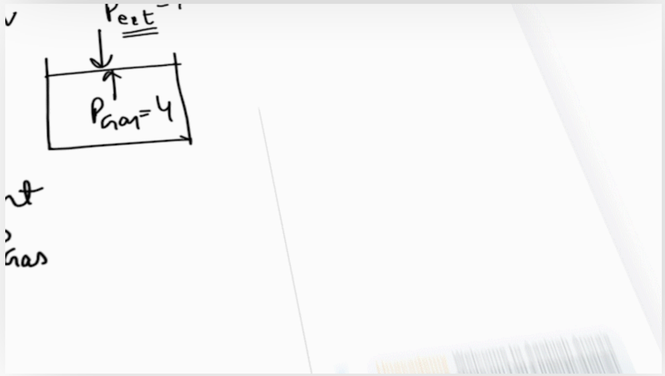

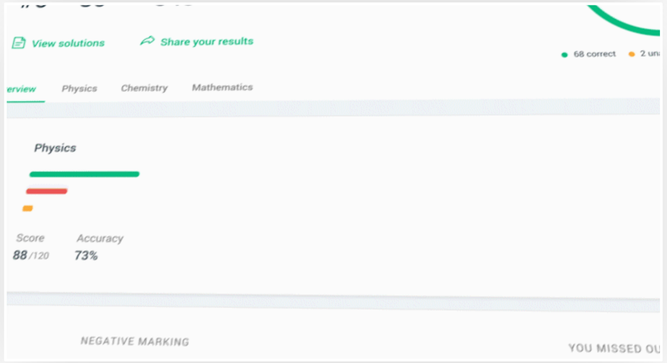

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

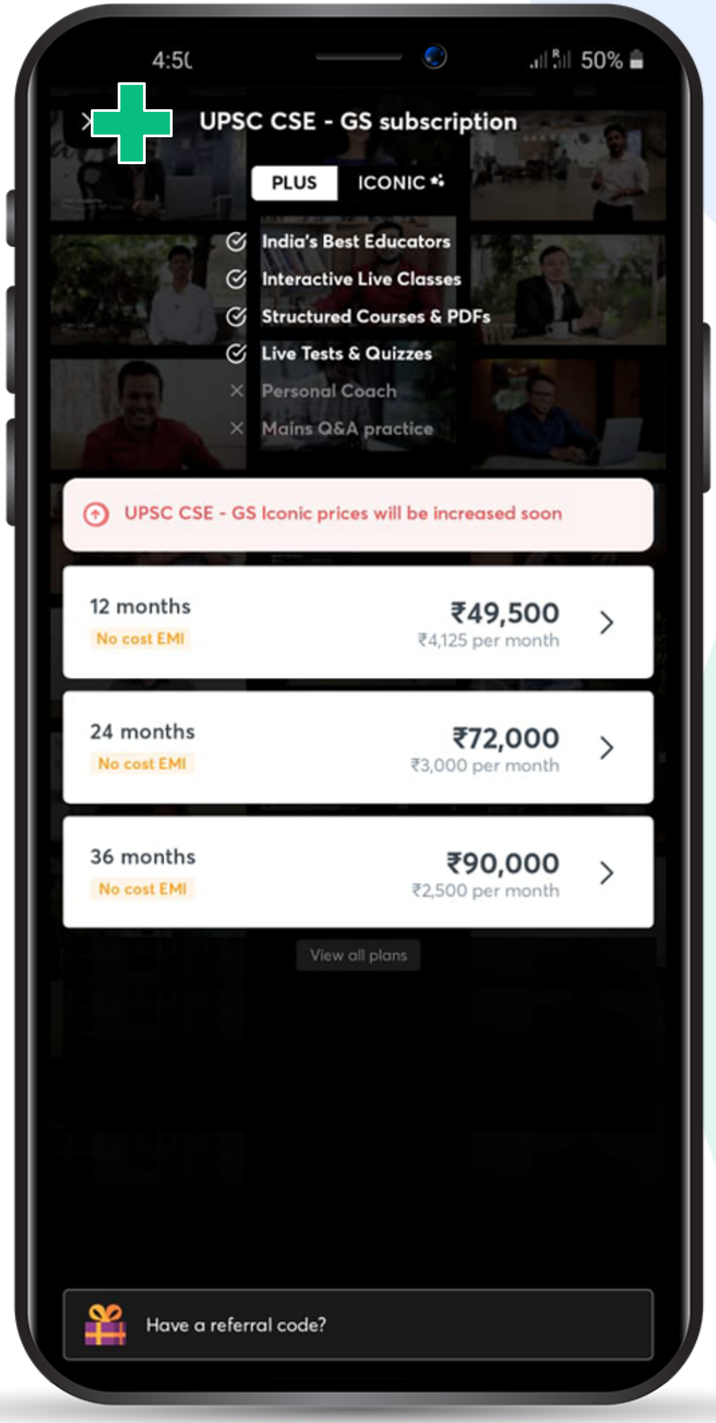

Iconic UPSC CSE Subscription

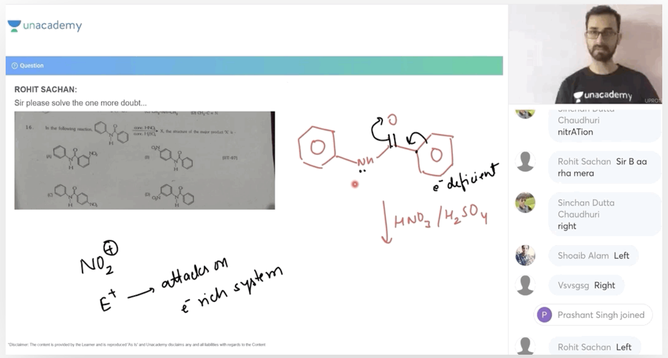

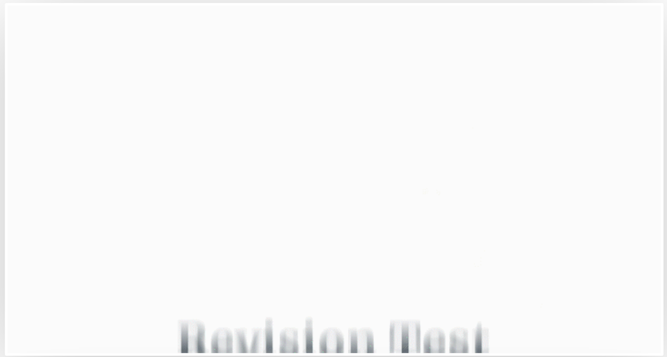

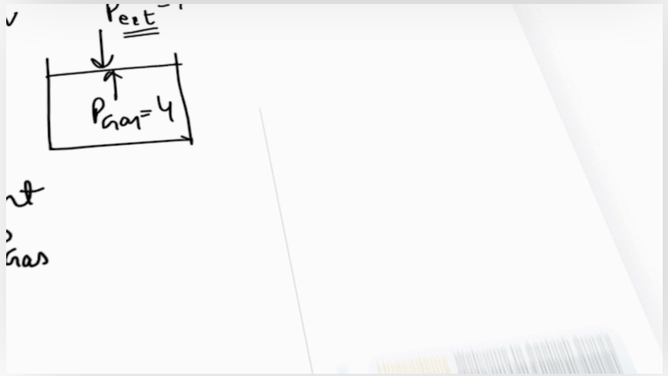

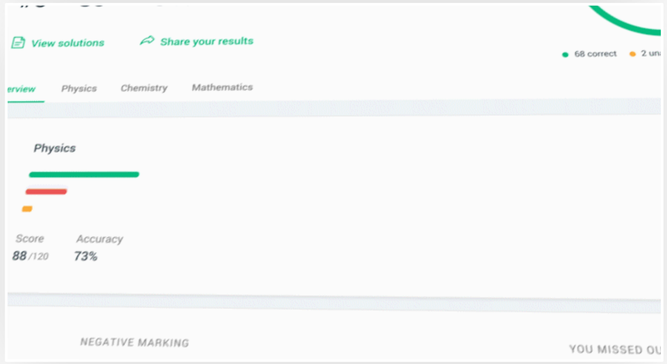

- Personal Coach
- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

Get Subscription Now

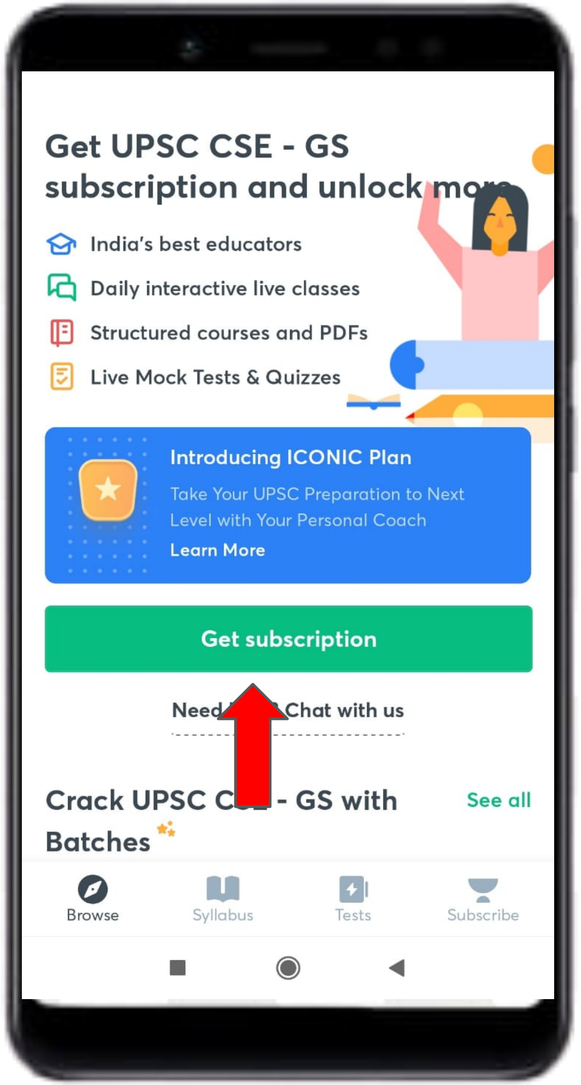

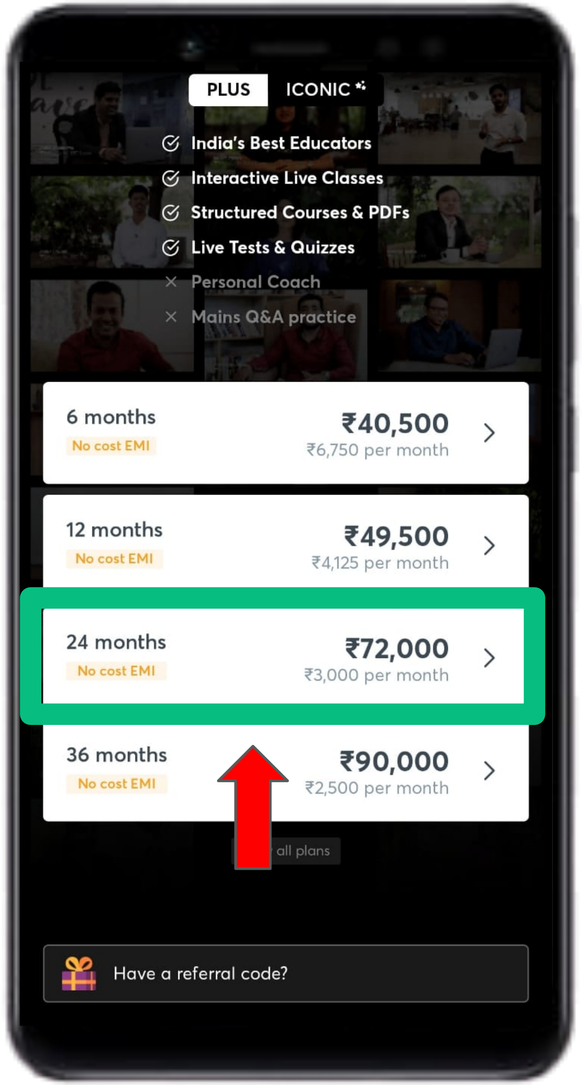

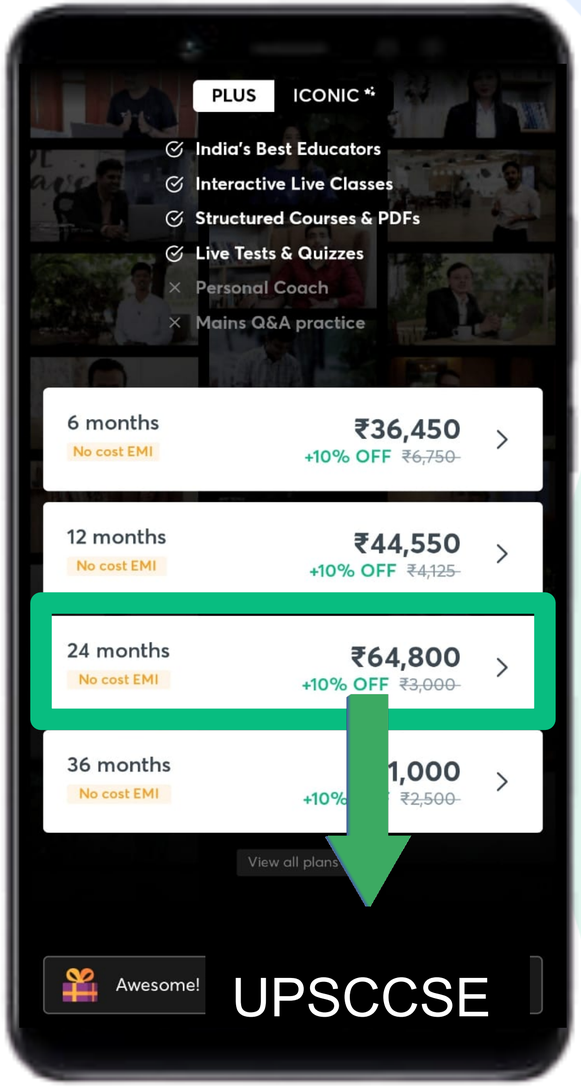

Subscribe now and Get 10% Extra Off. Apply Code - "CIVILHINDIPEDIA"

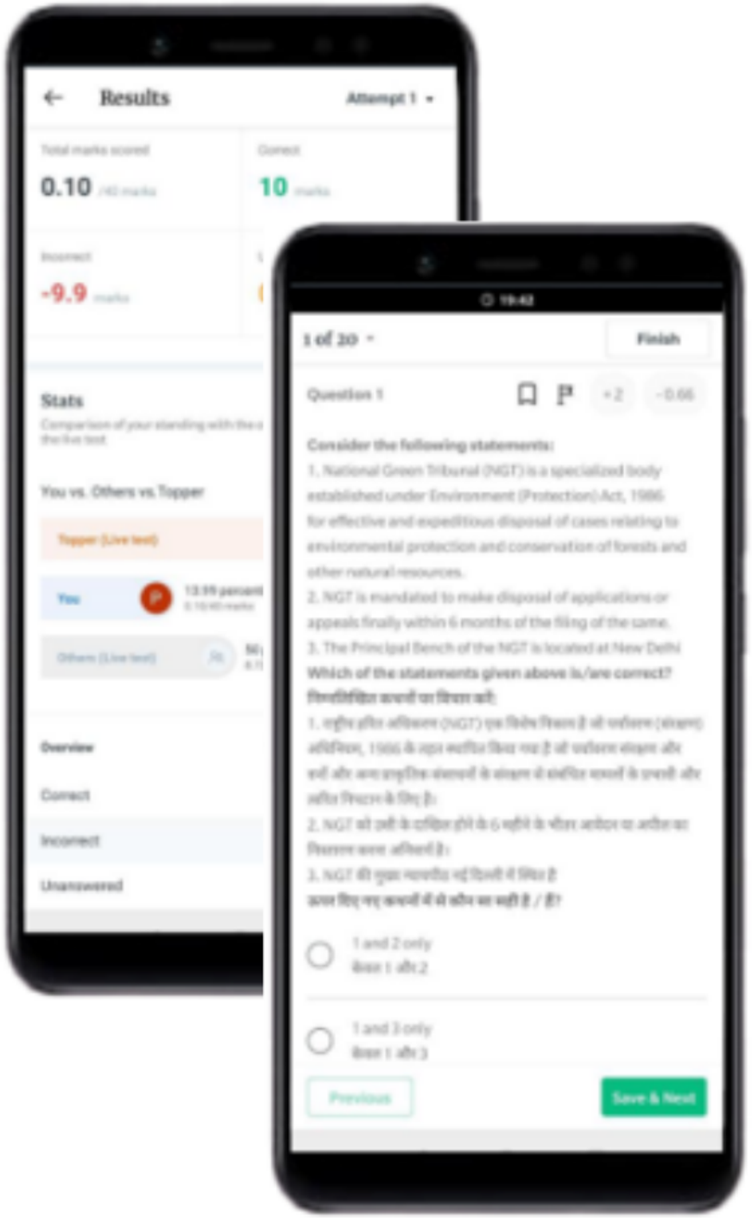

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

समसामयिकी

विविध स्त्रोतों से

बांग्लादेश के पृथक द्वीप पर रोहिंग्या

“Floating Island”: New home for Rohingya

Bangladesh is turning a cyclone-lashed island in the Bay of Bengal into a home for 100,000 Rohingya Muslims who have fled violence in neighbouring Myanmar

Bhasan Char, meaning “floating island”, emerged from silt around 20 years ago. It regularly floods during Jun-Sep monsoon season

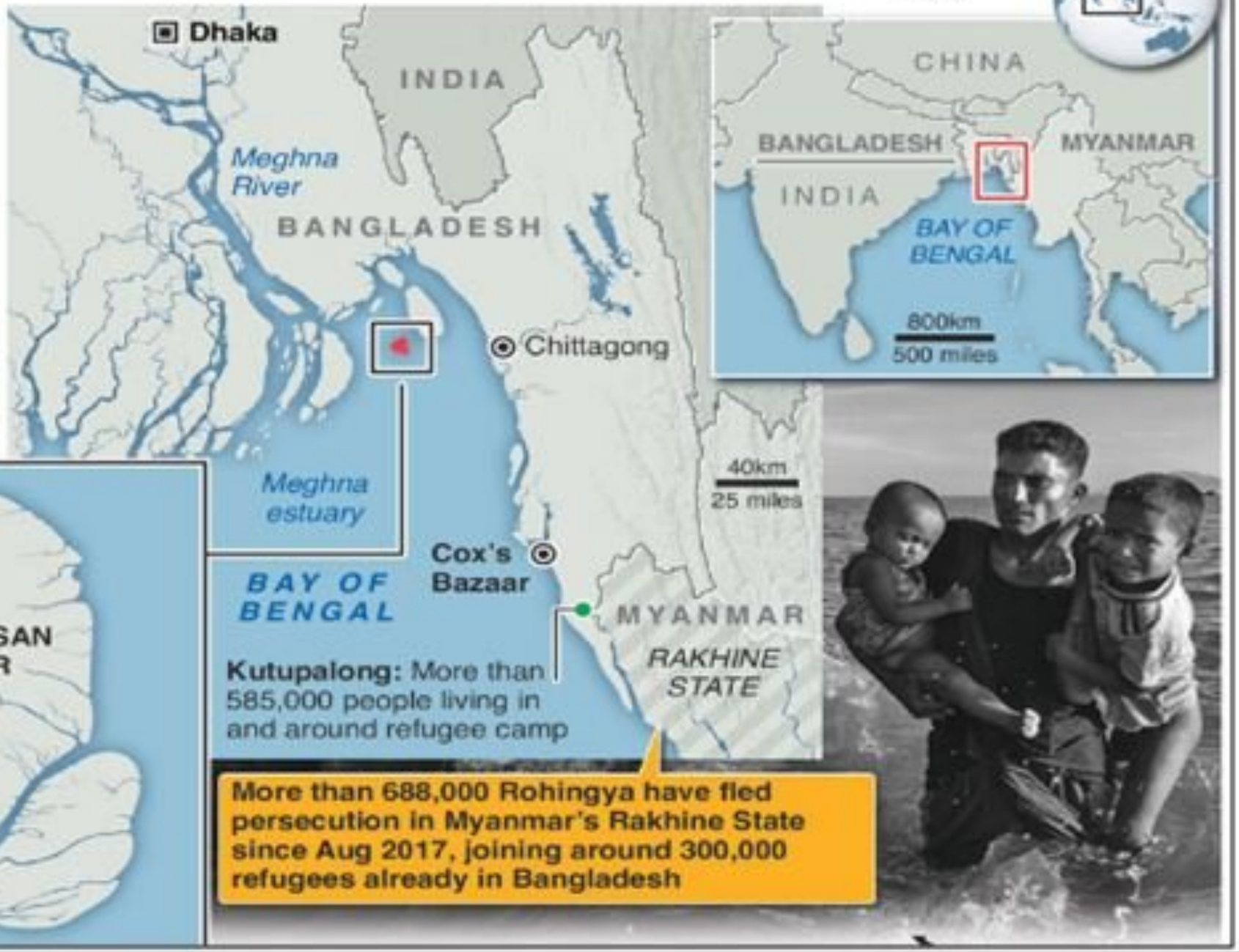

- हाल ही में बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे 15 हज़ार से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों को बंगाल की खाड़ी में स्थित 'भासन/भाषण चार' (Bhasan Char) द्वीप पर भेजा गया।
- इंडो-आर्यन जातीय समूह के रोहिंग्या लोग राज्य-रहित स्थिति में म्याँमार के रखाइन प्रांत में रहते हैं।म्याँमार में 2016-17 के संकट से पहले लगभग 1 मिलियन रोहिंग्या रह रहे थे। एक अनुमान के अनुसार, अगस्त 2017 तक लगभग 625,000 रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश की सीमा में प्रवेश कर गए थे।

- इनमें अधिकांश मुस्लिम हैं, जबकि कुछ अल्पसंख्यक हिंदू भी हैं।संयुक्त राष्ट्र (United Nations) द्वारा इन्हें दुनिया के सबसे अधिक सताए गए अल्पसंख्यकों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है।म्याँमार ने म्याँमार राष्ट्रीयता कानून, 1982 के तहत रोहिंग्या आबादी को नागरिकता देने से इनकार कर दिया।यद्यपि इस क्षेत्र में रोहिंग्या का इतिहास 8वीं शताब्दी से पाया जाता है फिर भी म्याँमार का कानून उनको आठ राष्ट्रीय स्वदेशी अल्पसंख्यकों की श्रेणियों में से एक के रूप में मान्यता नहीं देता है।

- म्याँमार से रोहिंग्या लोगों का बहिर्गमन 2017 में तेज़ी से शुरू हो गया और बांग्लादेश का तटीय शहर कॉक्स बाज़ार (Cox's Bazar) शरणार्थी बस्ती के रूप में बदल गया।जून 2015 में बांग्लादेश सरकार ने अपनी आश्रय परियोजना के तहत रोहिंग्या शरणार्थियों को भासन/भाषण चार द्वीप पर पुनः बसाने का फैसला किया था।

- बांग्लादेश सरकार इन शरणार्थियों को एक अलग द्वीप में ले जा रही है जिसे भासन/भाषण चार द्वीप के नाम से जाना जाता है जो मुख्य भूमि से 21 मील (34 किलोमीटर) दूर स्थित है।भासन/भाषण चार द्वीप का निर्माण लगभग दो दशक पहले मेघना नदी के मुहाने पर गाद द्वारा निर्मित द्वीप के रूप में बंगाल की खाड़ी में हुआ था।यह निर्जन द्वीप दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश में स्थित 'हटिया' द्वीप से 30 किलोमीटर की दूरी पर पूर्व में स्थित है।

- भासन/भाषण चार द्वीप बाढ़, कटाव और चक्रवात से प्रभावित क्षेत्र है, इसलिये बांग्लादेश सरकार यहाँ लगभग तीन मीटर ऊँचे तटबंध का निर्माण कर रही है।

- चूँकि भासन/भाषण चार द्वीप बाढ़, कटाव और चक्रवात के कारण पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र है, इसलिये इसे मानव बस्तियों के लिये सुरक्षित नहीं माना जाता है।

- संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न मानवाधिकार एजेंसियाँ इस पुनर्वास के खिलाफ हैं क्योंकि उनका मानना है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को द्वीप पर स्थानांतरित होने के बारे में प्रासंगिक, सटीक और अद्यतन जानकारी के आधार पर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिये।एमनेस्टी इंटरनेशनल (Amnesty International) ने इस साल की शुरुआत में ही इस द्वीप पर रहने वाले रोहिंग्या की स्थिति के बारे में एक बहुत ही चिंतनीय रिपोर्ट जारी की है।

- इस रिपोर्ट में निवास की सीमित और अस्वच्छ स्थिति, भोजन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुँच, संचार सुविधा की कमी के साथ-साथ नौसेना एवं स्थानीय मज़दूरों द्वारा ज़बरन वसूली व यौन उत्पीड़न के मामले शामिल थे।
- अंततः म्याँमार पर रोहिंग्याओं को वापस बुलाने के लिये दबाव डालते हुए बांग्लादेश और अन्य बाहरी साझीदारों को मिलकर रोहिंग्या के लिये कुछ ज़रूरी अल्पकालिक योजनाओं जैसे- सुरक्षित आवासों का निर्माण, शरणार्थियों के शैक्षिक और आजीविका के अवसरों में सुधार आदि को पूरा करना चाहिये।

- बांग्लादेश को भी भासन/भाषण चार द्वीप पर रोहिंग्याओं को भेजने का निर्णय वापस लेना चाहिये। म्याँमार को भी स्वयं को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदलकर मानवाधिकारों पर ध्यान देने में देरी नहीं करनी चाहिये, ताकि मानवाधिकारों के संरक्षण, भेदभाव के मुद्दों का समाधान, पीड़ित-केंद्रित न्याय तंत्र को लागू करने के साथ ही मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह बनाया जा सके और इससे विश्व में म्याँमार की छवि बेहतर होगी।

ग्वालियर और ओरछा यूनेस्को की विश्व विरासत शहर की सूची में शामिल

- मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक किला शहर ग्वालियर और ओरछा को यूनेस्को ने अपने ‘अर्बन लैंडस्केप सिटी प्रोग्राम’ के तहत विश्व धरोहर शहरों की सूची में शामिल किया है।
- मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित ओरछा अपने मंदिरों और महलों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। ओरछा पूर्ववर्ती बुंदेला राजवंश की 16 वीं शताब्दी की राजधानी है।

- ओरछा बेतवा नदी के तक पर स्थित मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले का एक प्रमुख कस्बा है।इस किले का निर्माण 1501 में राजा रुद्र प्रताप सिंह ने करवाया था। किले के अंदर एक मंदिर भी है। यह दुनिया का इकलौता मंदिर है, जहां भगवान राम को राजा के रूप में पूजा जाता है। इसके अलावा ओरछा विशेष रूप से राज महल, जहांगीर महल, राय प्रवीन महल, लक्ष्मीनारायण मंदिर सहित कई अन्य प्रसिद्ध मंदिरों और महलों के लिए विख्यात है।

- ग्वालियर भी मध्य प्रदेश का ऐतिहासिक नगर और प्रमुख शहर है। नौवीं शताब्दी में स्थापित ग्वालियर गुर्जर प्रतिहार राजवंश, तोमर, बघेल, कछवाहों तथा सिंधिया राजवंश की राजधानी रहा है।ग्वालियर का सबसे पुराना शिलालेख हूण शासक मिहिरकुल की देन है, जो छठी सदी में यहाँ राज किया करते थे। इस प्रशस्ति में उन्होंने अपने पिता तोरमाण (493-515) की प्रशंसा की है। 1375 में राजा वीर सिंह को ग्वालियर का शासक बने और उन्होंने तोमरवंश की स्थापना की।

- इसी तोमर वंश के शासन के दौरान ग्वालियर किले में जैन मूर्तियां बनाई गई थीं।ग्वालियर में प्रसिद्ध किले के अतिरिक्त प्रमुख पर्यटन स्थल हैं: बलुआ पत्थर से बना महाराजा मानसिंह का किला, गुर्जर राजवंश द्वारा निर्मित अद्वितीय स्थापत्यकला का नमूना विष्णु जी का तेली का मन्दिर, राजा मानसिंह द्वारा बनवाया गया मानमंदिर महल, जयविलास महल और संग्रहालय, तानसेन स्मारक, गोपचाल पर्वत और जैन मूर्तियाँ आदि।

- यूनेस्को का पूरा नाम संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन(United Nations Educational, Scientific And Cultural Organization-UNESCO) है।यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति निर्माण के लिए प्रयासरत है।यूनेस्को की स्थापना 16 नवंबर, 1945 को हुई थी तथा इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है।

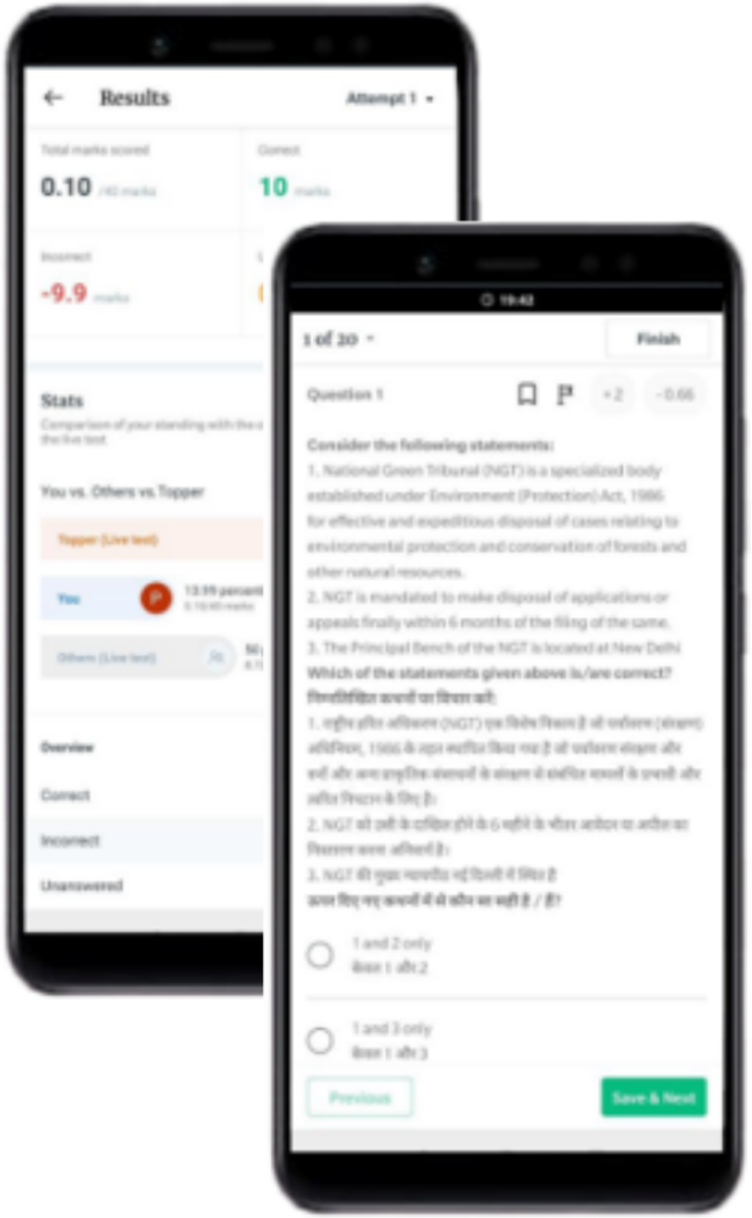

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

Free Learning Platforms

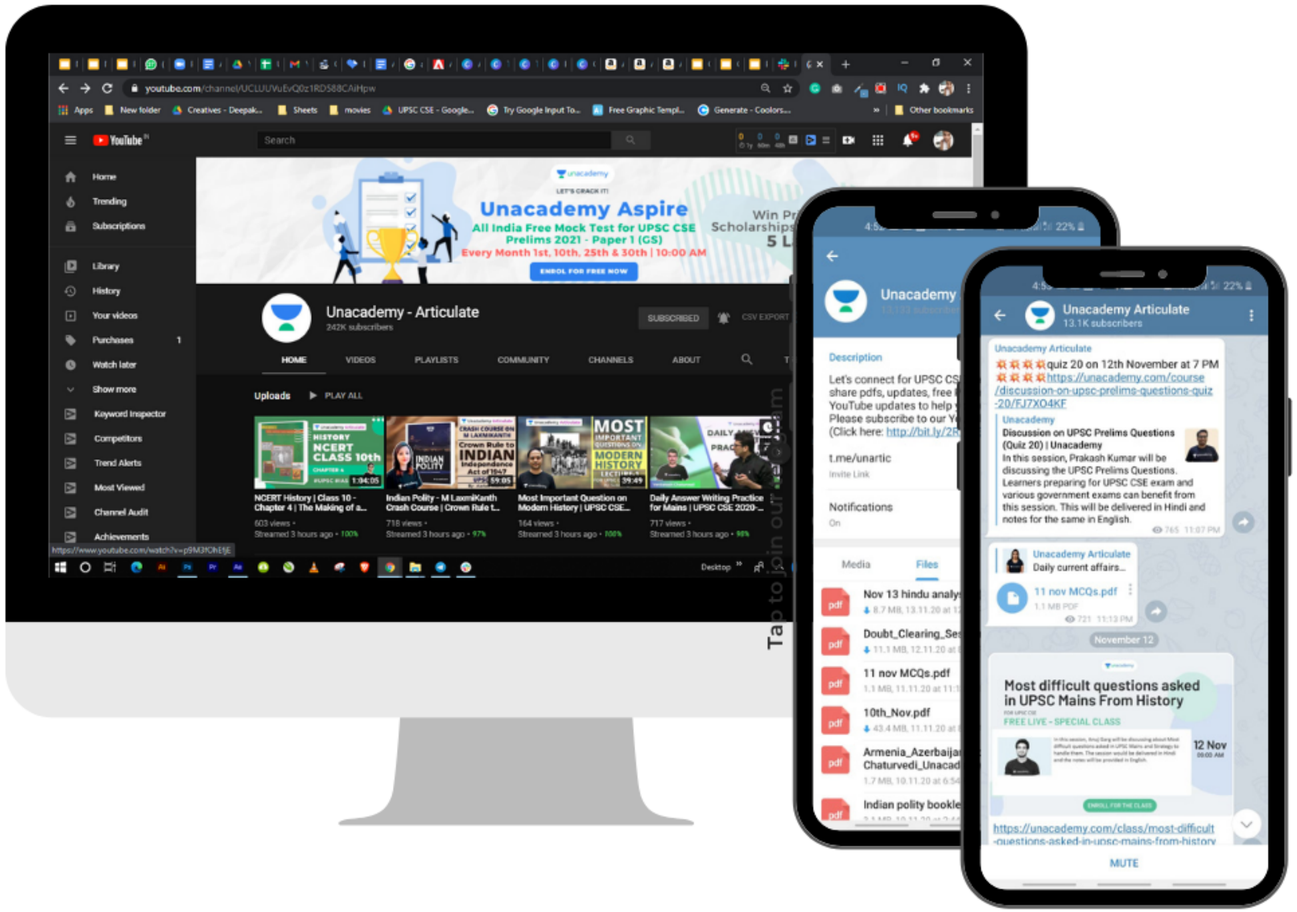

YouTube

Unacademy Articulate

- Free Live class
- Daily Current Affairs
- UPSC CSE special event notifications
- Book Summary

Telegram

Unacademy Articulate

- Free Live class notifications
- Free PDFs & study material
- Daily free Youtube session updates
- UPSC CSE special event notifications
- Free test series notifications

व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) ने इन्वेस्ट इंडिया (Invest India) को संयुक्त राष्ट्र निवेश संवर्द्धन पुरस्कार 2020 का विजेता घोषित किया

- हाल ही में व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) ने इन्वेस्ट इंडिया (Invest India) को संयुक्त राष्ट्र निवेश संवर्द्धन पुरस्कार 2020 का विजेता घोषित किया है।
- संयुक्त राष्ट्र निवेश संवर्द्धन पुरस्कार पुरस्कार विश्व की निवेश संवर्द्धन संस्थाओं (IPAs) की उत्कृष्ट उपलब्धियों को रेखांकित करता है और उन्हें मान्यता प्रदान करता है। व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) द्वारा यह पुरस्कार वर्ष 2002 से प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।

- साथ ही यह पुरस्कार सतत् विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाने और सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में निवेश संवर्द्धन संस्थाओं (IPAs) के योगदान को भी उजागर करता है। ध्यातव्य है कि अलग-अलग देशों की निवेश संवर्द्धन संस्थाओं (IPAs) द्वारा कोरोना वायरस महामारी के विरुद्ध अपनाए गए उपायों को इस वर्ष के पुरस्कार के लिये एक आधार के रूप में प्रयोग किया गया है।भारत से पूर्व जर्मनी, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर आदि देश भी यह पुरस्कार जीत चुके हैं।

- इन्वेस्ट इंडिया भारत की राष्ट्रीय निवेश संवर्द्धन संस्था है, जो कि भारत में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिये देश में निवेश करना और अधिक सुविधाजनक बनाती है।इसका गठन वर्ष 2009 में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (DPIIT) के अधीन एक गैर-लाभकारी उपक्रम के रूप में किया गया था।

- पुरस्कार की घोषणा करते हुए UNCTAD ने अपने प्रकाशन में इन्वेस्ट इंडिया की बेहतरीन गतिविधियों जैसे कि बिज़नेस इम्युनिटी प्लेटफॉर्म, एक्सक्लूसिव इन्वेस्टमेंट फोरम वेबिनार सिरीज़, सोशल मीडिया पर सक्रियता और कोविड महामारी से निपटने के लिये गठित समूहों (जैसे कि व्यापार पुनर्निर्माण, स्टैकहोल्डर आउटरीच और सप्लायर आउटरीच आदि) को रेखांकित किया।

- एक महत्त्वपूर्ण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) गंतव्य के रूप में बीते कुछ वर्षों में भारत की स्थिति काफी मज़बूत हुई है। आँकड़ों की मानें तो वर्ष 2019 में भारत विदेशी निवेश प्राप्त करने वाले शीर्ष 10 देशों में से एक था और भारत ने प्रौद्योगिकी, आईटी तथा दूरसंचार एवं निर्माण समेत विभिन्न क्षेत्रों में अरबों डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त किया था।

- वर्ष 2020 में भी कोरोना वायरस महामारी से निपटने में तीव्र प्रक्रिया, अनुकूल जनसांख्यिकी, मोबाइल और इंटरनेट के उपयोगकर्त्ताओं की बढ़ती संख्या, व्यापक खपत और तकनीक में उन्नति जैसे कारकों ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है।
- इसके अलावा सरकार ने निवेश आकर्षित करने के लिये विभिन्न योजनाओं जैसे- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, आदि का शुभारंभ भी किया है।

- सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों पर ज़ोर दिया जा रहा है।घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने की अपनी 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई क्षेत्रों के लिये FDI संबंधी नियमों में ढील प्रदान की है।भारत सरकार द्वारा लगातार देश में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस में सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं। विश्व बैंक द्वारा जारी ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस रिपोर्ट, 2020 में भारत को 190 देशों में 63वाँ स्थान प्राप्त हुआ था।

- व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित एक स्थायी अंतर-सरकारी निकाय है। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में है। इसका गठन मुख्य तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील देशों के विकास-अनुकूल एकीकरण को बढ़ावा देने हेतु किया गया था। यह एक केंद्रीय एजेंसी है जो निवेश संवर्द्धन संस्थाओं (IPAs) के प्रदर्शन की निगरानी करती है और वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं को मान्यता प्रदान करती है।

➤ इसके द्वारा प्रकाशित कुछ रिपोर्ट हैं:

* व्यापार और विकास रिपोर्ट (Trade and Development Report)
* विश्व निवेश रिपोर्ट (World Investment Report)
* ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड मॉनीटर रिपोर्ट (Global Investment Trend Monitor Report)
* न्यूनतम विकसित देश रिपोर्ट (The Least Developed Countries Report)
* सूचना एवं अर्थव्यवस्था रिपोर्ट (Information and Economy Report)
* प्रौद्योगिकी एवं नवाचार रिपोर्ट (Technology and Innovation Report)
* वस्तु तथा विकास रिपोर्ट (Commodities and Development Report)

बांग्लादेश और भूटान के मध्य व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर

EMU
STOP
9 COACHES
HALT.

- हाल ही में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal) ने ओडिशा सरकार को 14 चिह्नित हाथी गलियारों के लिये एक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है।
- वर्ष 2017 में NGT ने एक निषेधात्मक आदेश जारी कर अत्यधिक पर्यावरण संवेदी क्षेत्रों (Eco Sensitive Zone) में की जाने वाली सभी प्रकार की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था। NGT ने प्राधिकारियों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर गलियारों के सीमांकन में तेज़ी लाने का भी निर्देश दिया था।

- ओडिशा सरकार ने 870.61 वर्ग किमी के कुल क्षेत्र में व्याप्त 14 गलियारों जिनकी कुल लंबाई 420.8 किमी है, का विस्तार करने का प्रस्ताव किया था। कई वर्षों के बाद भी सरकार के प्रस्ताव पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई।
- हाथी गलियारे संकीर्ण भू-पट्टियाँ है जो हाथियों के दो बड़े आवासों को जोड़ने का कार्य करती हैं। दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से जानवरों की मृत्यु को कम करने की दृष्टि से ये महत्त्वपूर्ण हैं।

- वनों का विखंडन प्रवासी गलियारों के संरक्षण को और अधिक महत्त्वपूर्ण बनाता है। हाथियों का इस प्रकार का गमनागमन प्रजातियों के अस्तित्व को सुरक्षित रखने और जन्म दर को बढ़ाने में मदद करता है। राष्ट्रीय हाथी कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत भारत के वन्यजीव ट्रस्ट द्वारा 88 हाथी गलियारों की पहचान की गई है।
- मानव बस्तियों, सड़कों, रेलवे लाइनों, विद्युत लाइनों, नहरों और खनन जैसे चौतरफा विकास इन गलियारों के विखंडन के प्रमुख कारण हैं।

- हाथियों की आवाजाही यह सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक है कि उनकी आबादी आनुवंशिक रूप से व्यवहार्य हो। यह जंगलों को पुनर्जीवित करने में भी मदद करता है, जिस पर बाघ सहित अन्य प्रजातियाँ भी निर्भर हैं।लगभग 40% हाथी अभयारण्य सुभेद्य (Vulnerable) हैं, क्योंकि वे संरक्षित उद्यानों और अभयारण्यों के अंतर्गत नहीं आते। माइग्रेशन कॉरिडोर को भी कोई विशिष्ट कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं है।वनों के कृषि-भूमि और अनियंत्रित पर्यटन में रूपांतरण के कारण जानवरों का मार्ग बाधित हो जाता है। इस प्रकार जानवर वैकल्पिक मार्गों की तलाश के लिये मज़बूर होते हैं जिसके परिणामस्वरूप हाथी-मानव संघर्षों में वृद्धि होती है।

आकाशवाणी सार

ये आकाशवाणी है....

- भारत में कोविड-19 के स्वदेशी टीका कोवैक्सीन विकसित करने वाली कम्पनी भारत बायोटेक ने भारतीय औषधि महानियंत्रक-डीसीजीआई से अपने टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति के लिए आवेदन किया है। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और फाइजर के बाद अपने टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी के लिए आवेदन करने वाला तीसरी कम्पनी है।

- भारत बायोटेक स्वदेशी तौर पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से कोवैक्सीन विकसित कर रही है और अभी यह परीक्षण के तीसरे चरण में है। देशभर में 18 स्थानों पर 22 हजार से अधिक स्वयंसेवकों पर इसका परीक्षण किया जा रहा है। किसी दवा के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति तभी दी जाती है जब इस बात के पर्याप्त प्रमाण हों कि वह इलाज के लिए सुरक्षित और प्रभावी है। अंतिम मंजूरी परीक्षणों के पूरा होने और सम्पूर्ण आंकडों के विश्लेषण के बाद ही दी जाती है।***

- विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए दुनियाभर में अनिवार्य टीकाकरण की आवश्यकता नहीं है। संगठन ने कहा कि विश्व में संक्रमित लोगों की संख्या छह करोड़ 64 लाख 20 हजार से अधिक हो गई है। इसलिये जागरूकता अभियान चलाना और चिकित्साकर्मियों तथा बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन उपलब्ध कराना ज्यादा प्रभावी होगा। विश्व व्यापार संगठन में टीकाकरण संबंधी कार्यों के निदेशक केट ओब्रायन ने कहा कि कुछ ऐसे देश या कुछ देशों में ऐसी स्थितियां हो सकती हैं, जहां ज्यादा टीकाकरण की आवश्यकता हो।***

unacademy

LET'S CRACK IT!

Unacademy Live Quiz

Topic: International Relations

Code: 683115

Subscribe to Unacademy Plus

For 10% OFF Use Code

CIVILHINDIPEDIA

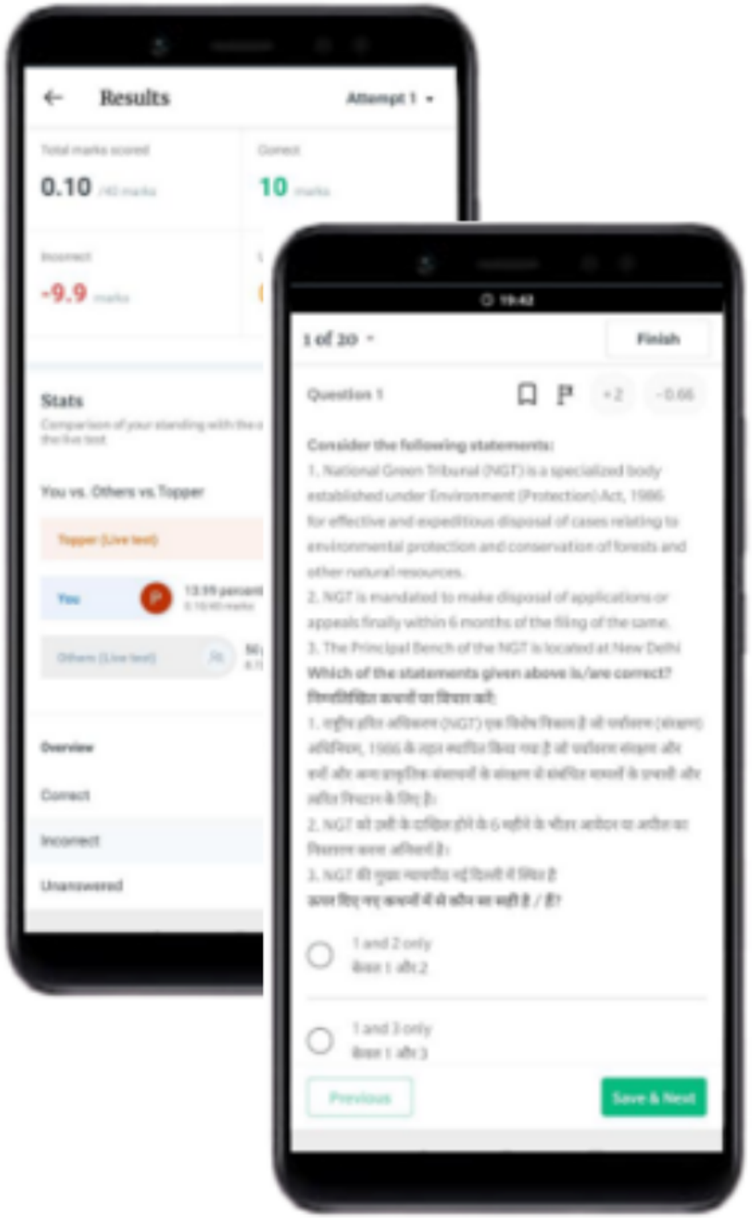

To unlock the Plus Experience for free and start learning from the best

- Free Special classes
- Free Tests series
- Free Live quizzes

Use code: CIVILHINDIPEDIA

Plus UPSC CSE Subscription

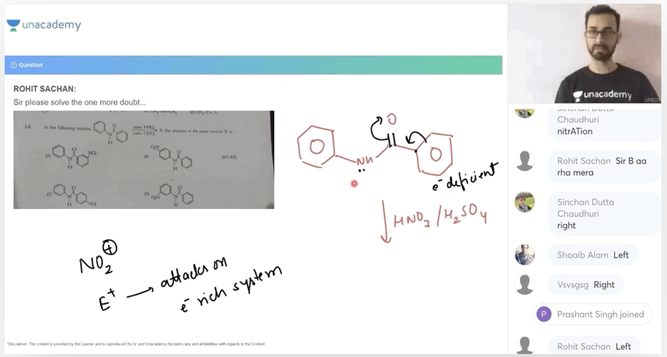

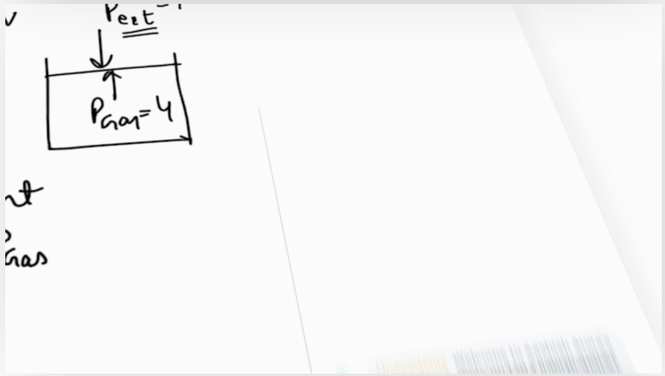

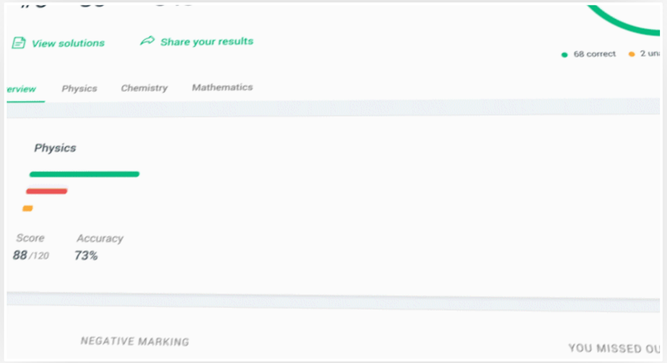

- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

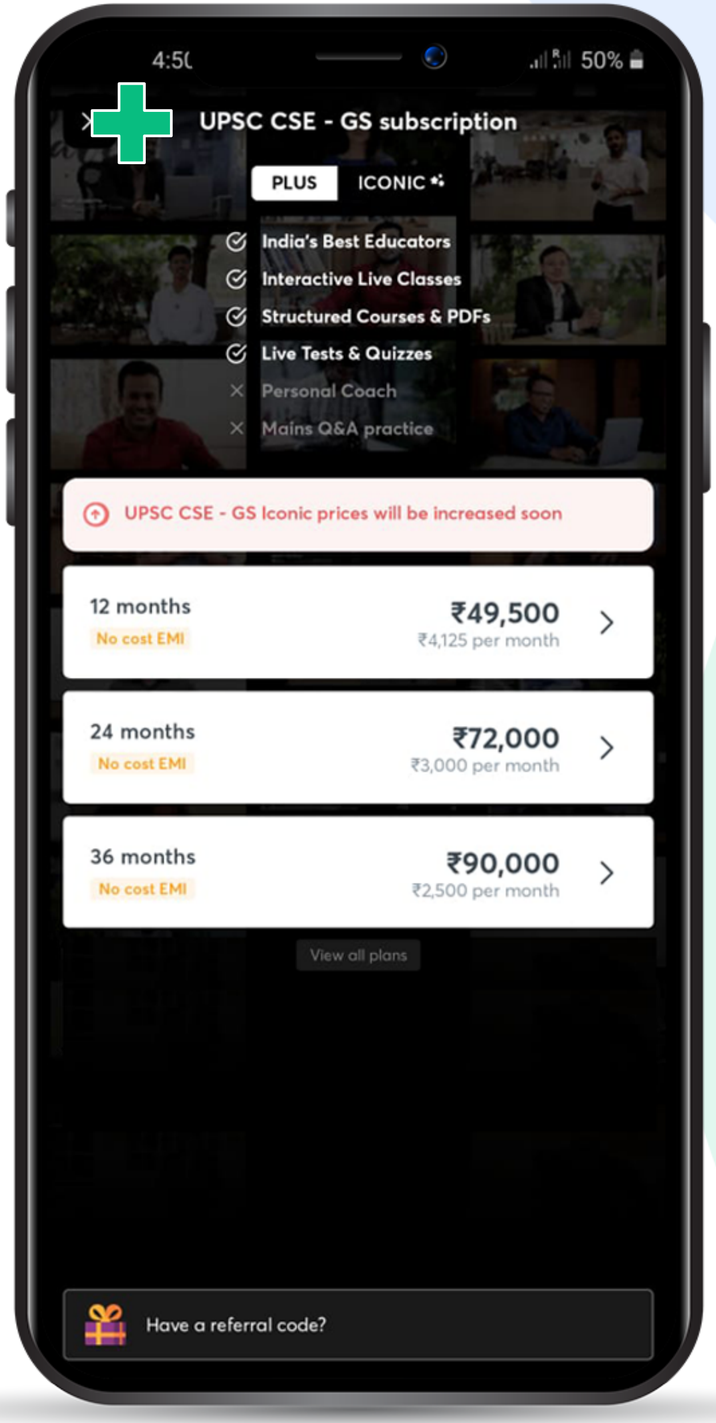

Iconic UPSC CSE Subscription

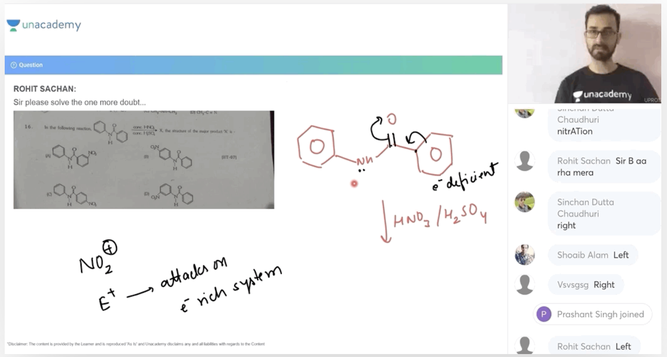

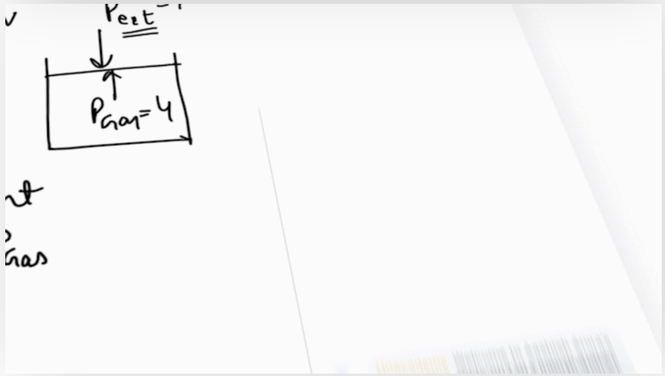

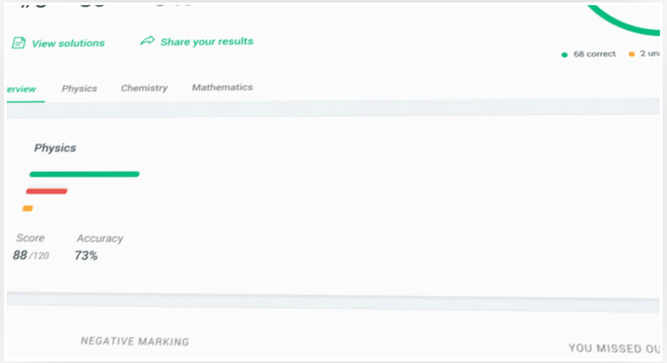

- Personal Coach
- LIVE Class Environment
- LIVE Polls & Leaderboard
- LIVE Doubt Solving
- LIVE Interaction

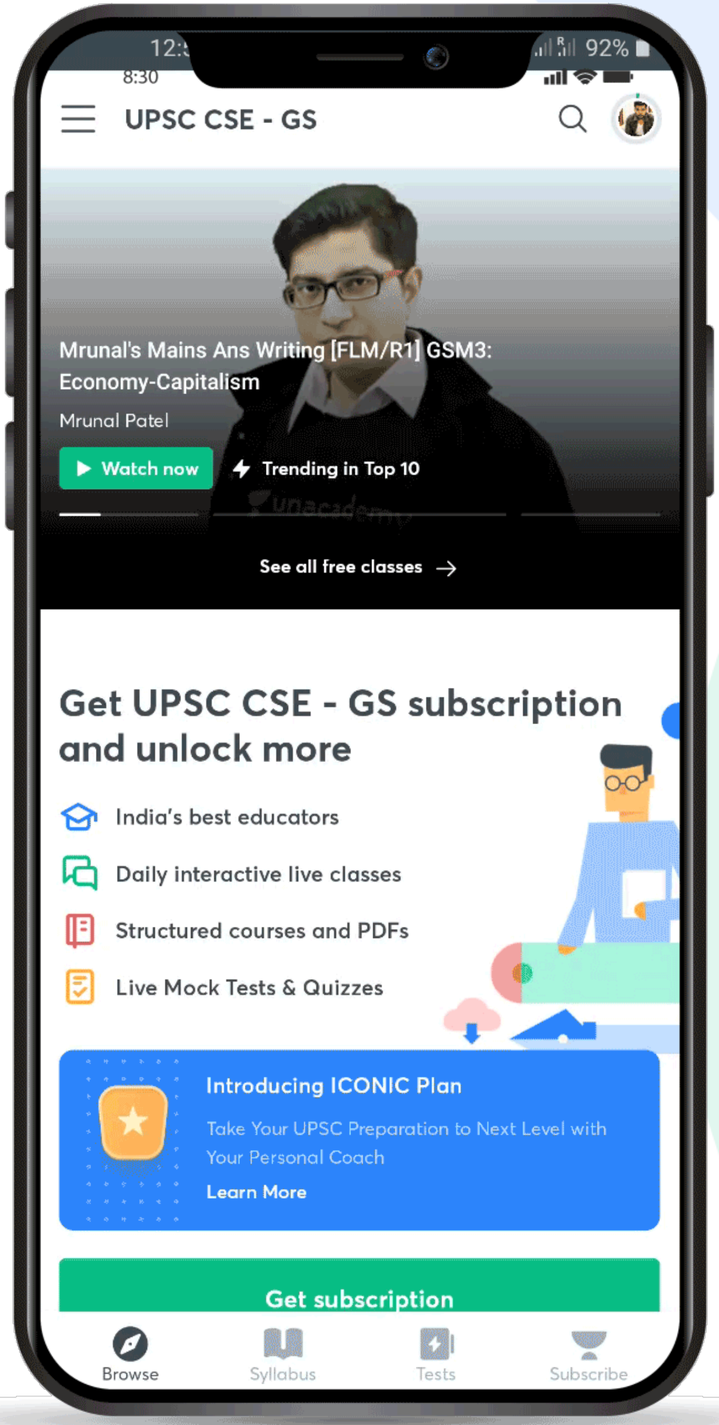

For a massive 10% Discount

Use Code **CIVILHINDIPEDIA**

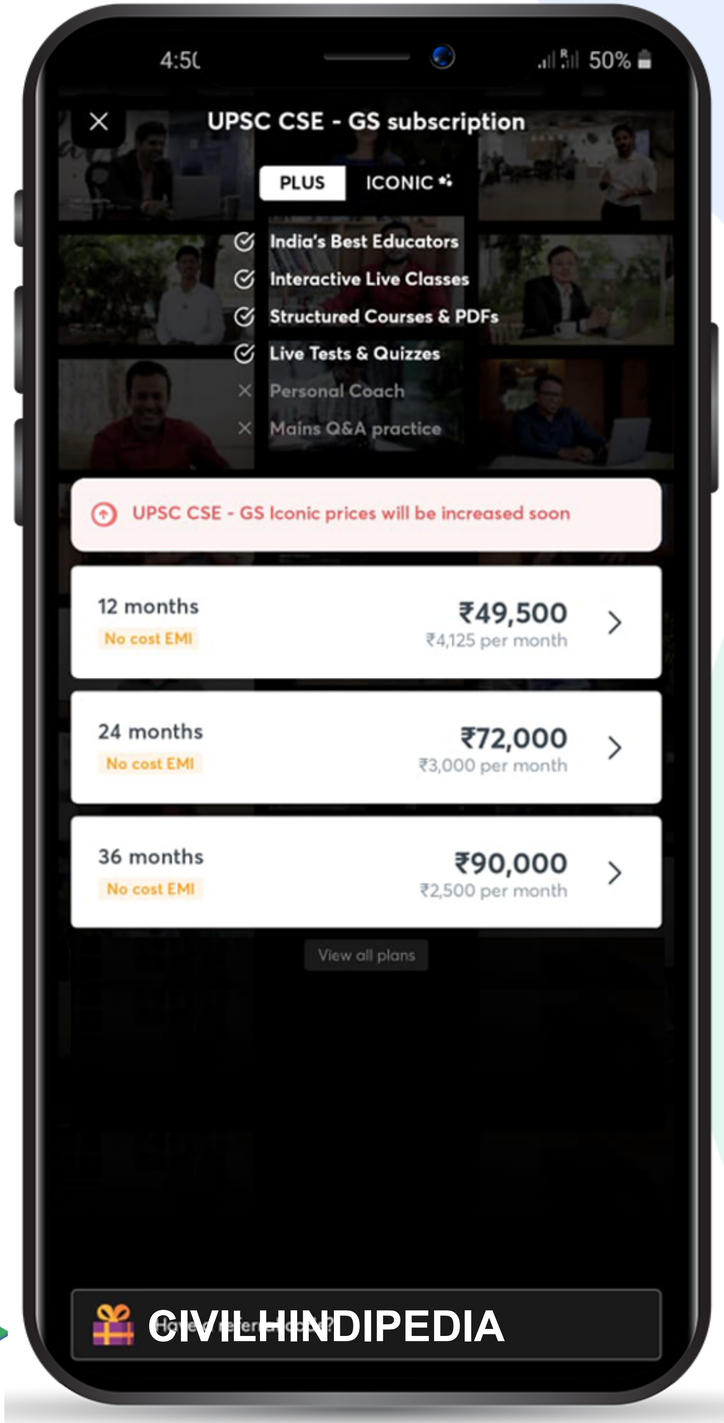

CIVILHINDIPEDIA

Thank You